Title : Regarding hike in charges for treatment and tests at All India Institute of Medical Science (AIIMS), New Delhi.

**श्री राम कृपाल यादव :** माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। शायद आपको जानकारी होगी कि अब से दो-तीन दिन पूर्व अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) अस्पताल के निदेशक ने एक सर्कुलर जारी किया है। उस सर्कुलर के अनुसार पहले जो टेस्ट फ्री में हुआ करते थे जिनमें कई रूटीन टेस्ट भी थे, उन सब पर राशि पहले से ही ली जाती थी। इसके अलावा जो अन्य टैस्ट हुआ करते थे उन पर भी कई गुना राशि बढ़ा दी गई है। आप सबको मालूम है और पूरा देश जानता है कि एम्स अस्पताल में बड़े पैमाने पर गरीब बेसहारा मरीज आते हैं जिनका कोई सहारा नहीं होता है। खास तौर से बिहार, उत्तर प्रदेश और अगल-बगल के राज्यों से मरीज बड़े पैमाने पर आते हैं। वहां की अर्थव्यवस्था पहले से ही खराब है, वे इस अस्पताल में आकर अपना इलाज कैसे करा पाएंगे?

मैं आपको तीन-चार उदाहरण देना चाहता हूं कि जिसकी फीस नहीं लगती थी...(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय :** आप जो कहना चाहते हैं, जो डिमांड करना चाहते हैं उसके बारे में कहिए। उदाहरण मत दीजिए।

...(व्यवधान)

**श्री राम कृपाल यादव :** महोदय, पहले फ्री में इलाज होता था अब उसमें पैसा लिया जा रहा है। गरीब कहां से पैसा देगा? उनका इलाज कैसे हो पाएगा? आपको जानकर आश्चर्य होगा कि जो सर्कुलर अभी निकला है उसमें बड़े-बड़े कारपोरेट अस्पतालों से भी ज्यादा कीमत ली जा रही है। अगर पेशंट प्राइवेट वार्ड में रहेगा, वहां के आई.सी.यू. का किराया पेशंट के प्राइवेट वार्ड में रहने पर अब एक हजार रुपए है और जनरल वार्ड में आई.सी.यू. में रहने पर पांच सौ रुपए प्रति दिन किराया है। यही नहीं पेट की जांच जो पहले फ्री में होती थी अब उसके लिए बाहर हजार रुपए देने पड़ते हैं। पी.टी.बी.डी टेस्ट पहले फ्री में होता था अब उसके लिए सात हजार रुपए देने पड़ते हैं। बेरियम और एनीमिया के टेस्ट पहले तीन सौ रुपए में होते थे अब उसकी फीस पांच हजार रुपए हो गई है। सिम्पल एक्स-रे के लिए पहले तीस रुपए चार्ज था अब उसका चार्ज 75 रुपए हो गया है। रीढ़ एक्स-रे का चार्ज तीस रुपए था जो अब पचास रुपए हो गया है। इसी तरह से एन्जियोग्राफी के लिए बीस हजार रुपए देने पड़ेंगे। इतना पैसा गरीब लोगों के पास कहां है? अगर उनके पास पैसा ही होता तो वे प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराते। इस तरह से उन्हें बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है और गरीब लोग अपना इलाज नहीं करा पाते हैं। मुझे नहीं पता कि यह किस निर्णय के अनुसार है और क्या एम्स अस्पताल के डॉयरेक्टर साहब ने सरकार से सहमति ली है या नहीं? सरकार की तरफ से माननीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा कोई डॉयरेक्शन हुआ या नहीं? डॉयरेक्टर साहब इस सर्कुलर को जारी करके गरीबों को मौत के मुंह में ढकेलने का काम कर रहे हैं।

मैं आपसे निवेदन है कि सरकार को इस विषय पर अविलंब हस्तक्षेप करना चाहिए। बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उड़ीसा और अगल-बगल के राज्यों से गरीब लोग यहां अपनी जिंदगी बचाने के लिए आते हैं। बिहार में कोई अस्पताल नहीं है। वहां एम्स अस्पताल खोलने का प्रस्ताव है लेकिन अभी तक उस पर काम शुरू नहीं हुआ है। गरीब कहां जाएंगे? मैं आपसे हाथ जोड़ कर आपका संरक्षण चाहता हूं। मेरा आपसे निवेदन है कि आप सरकार को डॉयरेक्शन दें।...(व्यवधान)

**श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव :** यह सवाल काफी गंभीर है और आपने खुद अपने आसन से यह महसूस किया होगा कि गरीब लोगों के लिए इतना शुल्क बढ़ा दिया गया है। पहली बार ऐसी स्थिति हुई है। यह अद्भुत स्थिति है। यह राशि बढ़ा दी गई है इसके बारे में सरकार को सूचना ग्रहण करनी चाहिए। यह

मामला संवेदनशील है। इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए।...(व्यवधान) मैं अपने आपको इस विषय से संबद्ध करता हूं।

**श्री सुकदेव पासवान :** उपाध्यक्ष महोदय, सरकार को इस मामले को गम्भीरता से लेना चाहिये।

**श्री राम कृपाल यादव :** उपाध्यक्ष जी, यू.पी.ए. सरकार गरीबों की सरकार है, इसलिये सरकार को इस पर सोचना चाहिये।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI BIJOY HANDIQUE): I will convey it to the Health Minister.

**SUBMISSIONS BY MEMBERS** -Contd

**18.30 hrs.**

(iii) **Re : Reported detention of an Indian by American Forces in Iraq**